प्रणालीगत रूप से महत्त्वपूर्ण घरेलू बैंक (D-SIBs)

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, [भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)] ने **भारतीय स्टेट बैंक, HDFC बैंक और ICICI बैंक को घरेलू प्रणालीगत महत्त्वपूर्ण बैंक (D-SIBs)** के रूप में बरकरार रखा है।

- रिज़र्व बैंक ने वर्ष **2015 और 2016 में SBI और ICICI बैंक को D-SIBs के रूप में नामित किया,** तथा **HDFC बैंक वर्ष 2017** में उनके साथ शामिल हो गया।

D-SIBs के बारे में मुख्य बिंदु क्या हैं?

- **D-SIBs के बारे में:** D-SIBs वे बैंक हैं जिन्हें उनके **आकार, जटिलता और** वित्तीय प्रणाली के साथ अंतर्संबंधों के कारण घरेलू अर्थव्यवस्था में **'टू बिग टु फेल' (Too Big to Fail- TBTF) माना जाता है।**
  - इन बैंकों को उनके असफल होने पर उत्पन्न होने वाले **संभावित आर्थिक व्यवधान** के आधार पर वर्गीकृत किया गया है ।
- **महत्त्व:** वित्तीय संकटों को सहने की अपनी क्षमता और सुधार करने के **लिये, D-SIBs को अतिरिक्त विनियामक आवश्यकताओं जैसे पूंजी बफर, स्ट्रेस टेस्ट और पुनर्प्राप्ति एवं समाधान रणनीतियों** के अधीन होना पड़ता है।
- **बकेटिंग स्ट्रक्चर**: D-SIBs को उनके **प्रणालीगत महत्त्व स्कोर के आधार पर विभिन्न बकेट में वर्गीकृत किया जाता है** ।
  - **बकेट 1 सबसे कम जोखिम**, जबकि **बकेट 4 सबसे अधिक जोखिम** का प्रतिनिधित्व करता है ।
  - RBI **ने SBI को बकेट 4** में, **HDFC बैंक को बकेट 3** में तथा **ICICI बैंक को बकेट 1** में रखा है।
- **पूंजीगत आवश्यकताएँ**: जिस बकेट में D-SIBs रखा गया है, उसके आधार पर उस पर एक **अतिरिक्त सामान्य इक्विटी आवश्यकता** लागू की जानी चाहिये।
  - **SBI** के लिये अतिरिक्त **0.80% कॉमन इक्विटी टियर 1 (CET 1)**, **HDFC बैंक के** लिये **0.40%** और **ICICI बैंक** के लिये **0.20% आवश्यक है**।
- **चयन प्रक्रिया**: RBI, D-SIBs की पहचान के लिये **दो-चरणीय प्रक्रिया** का पालन करता है।
  - **नमूना चयन**: सभी बैंकों का मूल्यांकन नहीं किया जाता है। **केवल आकार** के आधार पर महत्त्वपूर्ण प्रणालीगत महत्त्व वाले बैंकों (**GDP के 2% से अधिक संपत्ति वाले बैंक**) पर विचार किया जाता है।
  - **प्रणालीगत महत्त्व मूल्यांकन: प्रतिस्थापनीयता की कमी, अंतर्संबंधता आदि जैसे संकेतकों** के आधार पर प्रत्येक बैंक के लिये एक **समग्र स्कोर** की गणना की जाती है, तथा **एक निश्चित सीमा से अधिक स्कोर वाले बैंकों को** D-SIBs के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- **D-SIBs के लिये रूपरेखा: जुलाई 2014 में, RBI** ने एक रूपरेखा जारी की थी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि D-SIBs के पास घाटे को कवर करने के लिये पर्याप्त पूंजी हो, ताकि प्रणालीगत व्यवधान को रोका जा सके।
- **वैश्विक प्रणालीगत रूप से महत्त्वपूर्ण बैंक (G-SBI): G-SBI बड़े अंतर्राष्ट्रीय बैंक** हैं जिनकी विफलता का वैश्विक स्तर पर प्रभाव पड़ता है।
  - **वित्तीय स्थिरता बोर्ड (FSB), बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति (BCBS)** तथा राष्ट्रीय प्राधिकरणों के परामर्श से **G-SBI की पहचान करता है।**
  - **वर्ष 2023** तक, **JP मॉर्गन चेस, बैंक ऑफ अमेरिका, सिटीग्रुप**, **HSBC, एग्रीकल्चर बैंक ऑफ चाइना,** बैंक ऑफ चाइना, बार्कलेज और BNP पारिबा सहित **29 G-SBI हैं।**

नोट:

- **कॉमन इक्विटी टियर 1 (CET1) में नकदी और स्टॉक** जैसी **लिक्विड बैंक होल्डिंग्स** शामिल हैं। CET1 एक पूंजी उपाय है जिसे **वर्ष 2014 में** अर्थव्यवस्था को वित्तीय संकट से बचाने के लिये **एहतियाती उपाय** के रूप में पेश किया गया था।
- FSB एक **अंतर्राष्ट्रीय निकाय है** जो **वैश्विक वित्तीय प्रणाली की निगरानी करता है** तथा उसके बारे में सिफारिशें करता है ।
- FSB की स्थापना **वर्ष 2009 में G-20** के तत्त्वावधान में की गई थी।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2018)

1. पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CAR) वह राशि है जिसे बैंकों को अपनी निधियों के रूप में रखना होता है जिससे वे, यदि खाता-धारकों द्वारा देयताओं का भुगतान नहीं करने से कोई हानि होती है, तो उसका प्रतिकार कर सकें।
2. CAR का निर्धारण प्रत्येक बैंक द्वारा अलग-अलग किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/domestic-systemically-important-banks-1